राजनीति विज्ञान में जेंडर और विविधता
(Gender and Diversity in Political Science)

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति विज्ञान की 'जेंडर तथा विविधता अनुवीक्षण रिपोर्ट' 2017 में पिछली रिपोर्टों (2011, 2013) की भांति जेंडर पर ध्यान केंद्रित किया गया है किन्तु इसमें विविधता के अन्य आयामों की ओर भी ध्यान दिया गया है। प्रत्येक रिपोर्ट राष्ट्रीय राजनीति विज्ञान संघों पर सर्वे के आधार पर तैयार की गई, वे संघ जो अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति विज्ञान संघ से सम्बद्ध हैं।

2017 के राष्ट्रीय राजनीति विज्ञान संघों के सर्वे के आधार पर प्राप्त जानकारियां
(Findings from the 2017 national PSA survey)

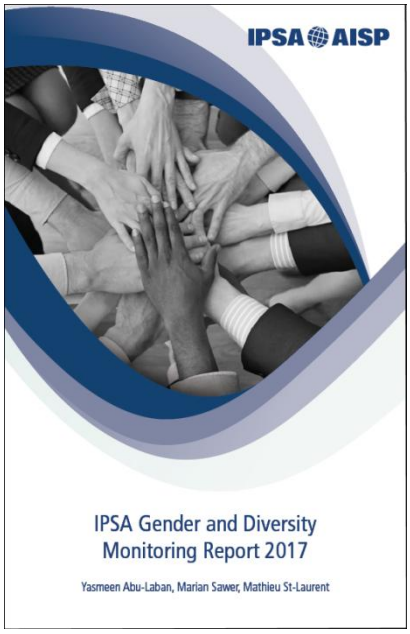

अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति विज्ञान संघ से सम्बद्ध 55 राष्ट्रीय राजनीति विज्ञान संघों में से 33 संघों ने अपनी प्रतिक्रियाएं व्यक्त कीं:

- बडे राष्ट्रीय राजनीति विज्ञान संघों में लगभग एक–तिहाई सदस्य महिलायें थीं;
- राष्ट्रीय राजनीति विज्ञान संघों में 39% अध्यक्ष/प्रेसीडेंट महिलायें थीं;
- इसके अतिरिक्त, 39% कार्यकारी सदस्य और 37% कार्यकारी निदेशक/सेक्रेटरी-जनरल महिलाएं थीं;
- लगभग 42% राष्ट्रीय राजनीति विज्ञान संघों ने बताया कि उनके देशों में कुछ मूल निवासी भी रहते हैं, किंतु केवल आस्ट्रेलिया तथा संयुक्त राज्य अमरीका के राजनीति विज्ञान संघों द्वारा ही उन के बारे में जानकारी इक्ठी की जाती है;
- बहुत कम राष्ट्रीय राजनीति विज्ञान संघ ऐसे हैं जो जाति/जातीयता, भाषा व देशीयता के बारे में जानकारी इक्ठा करते हैं, कोई भी धर्म के आधार पर जानकारी इक्ठा नहीं करता।

संस्थागत संरचनाएं व अच्छे प्रयोग
(Institutional structures and good practices)

2017 के सर्वे में यह बात उभर कर सामने आई कि विभिन्न राष्ट्रीय राजनीति विज्ञान संघों द्वारा विविधताओं को बढावा देने के लिए जिन संस्थागत संरचनाओं का सहारा लिया गया उनकी संख्या अब बढ कर 19 हो गई है। इनके द्वारा विभिन्न व्यवसायों तथा अनुसंधान समूहों में जेंडर, जाति तथा प्रजाति के आधार पर विविधताओं को बढावा देने तथा मूल आदिवासी विषयों पर चर्चाओं को बढावा दिया गया। अच्छे प्रयोगों में पहले से बेहतर जनसांख्यिकीय जानकारी इक्ठा करना, नेतृत्व की स्थितियों में पुरुषों और महिलाओं की स्थिति में परिवर्तन, शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार तथा रिसर्च में विविधताओं को मान्यता का उल्लेख किया जा सकता है। विभिन्न राष्ट्रीय राजनीति विज्ञान संघों द्वारा विविधता को बढाने के लिए जो नए कदम उठाए गए, अंतर्राष्ट्रीय राजनीति विज्ञान की अनुवीक्षण रिपोर्ट इन्हीं पर आधारित है।

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति विज्ञान संघ द्वारा तैयार डेटा के आधार पर जानकारियां
(Findings from IPSA data)

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति विज्ञान संघ के सचिवालय द्वारा तैयार डेटा यह दिखाता है कि पिछले दो दशकों में अंतर्राष्ट्रीय राजनीति विज्ञान संघ में महिलाओं की सहभागिता में लगातार वृद्धि हुई है। इस संघ की परिषद तथा कार्यकारी

समिति में महिलाओं की संख्या अब 40% से ऊपर है| इसी प्रकार अंतर्राष्ट्रीय राजनीति विज्ञान संघ में महिलाओं की संख्या लगभग 40% है और इसकी 'वर्ल्ड कांग्रेसों' में भी महिलाओं की सहभागिता 40% से अधिक है| जेंडर से सम्बन्धित मुद्दों से जुडी रिसर्च कमेटियां भी स्वस्थ व सक्रीय हैं, तथा अंतर्राष्ट्रीय राजनीति विज्ञान समिति की विभिन्न रिसर्च कमेटियों का प्रबन्धन भी महिलाओं द्वारा किया जा रहा है, लगभग एक-तिहाई चेयर महिलायें हैं| अंतर्राष्ट्रीय राजनीति विज्ञान संघ की ओर से पुरस्कार पाने वालों में भी महिलाओं की संख्या अधिक है| अंतर्राष्ट्रीय राजनीति विज्ञान रिव्यू (IPSR) में पिछले 20 वर्षों में अभी तक 5 महिला संपादक रह चुकी हैं| इस रिव्यू में पिछले तीन वर्षों में महिला लेखकों की संख्या लगातार 40% पहुंच रही है, जो कि एक रिकार्ड है|

निष्कर्ष
(Conclusion)

2017 के सर्वे तथा राष्ट्रीय राजनीति विज्ञान संघ की उभरती प्रवृत्तियों के विश्लेषण के आधार पर हम कह सकते हैं कि व्यावसायिक राजनीति विज्ञान संघों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढा है, साथ ही मान्य अनुसंधानकर्ताओं तथा नेताओं के रूप में भी उनकी उपस्थिति अधिक सक्रिय रही है| यद्यपि ये सफलतायें असमतल रही हैं, फिर भी यह कहा जा सकता है कि जेंडर की समानता के लिए की गई चर्चाओं तथा संस्थागत कार्रवाईयों के फलस्वरूप अधिक संख्या में महिलाओं का समावेश हो सका है|

IPSA would like to thank Ash Gupta for providing the translation.